कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (47) खण्ड - {93}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न 1- यहाँ तो किसको भी पता नहीं पड़ता। तुम्हारे सम्बन्धी यह नहीं जानते कि तुम क्या पढ़ाई पढ़ते हो क्योंकि -

A- ऊंच पढ़ाई है।

B- गुप्त है।

C- यह विचित्र पढ़ाई और विचित्र पढ़ाने वाला है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- अपनी जांच करनी है ?

A- सहनशील बने हैं ?

B- हमारे में दैवीगुण हैं ?

C- बुद्धियोग बाबा से है ?

D- महावीर बने हैं ?

प्रश्न 3- अशुभ आशायें किस की होती हैं ?

A- मनुष्य की

B- रावण की

C- क्रिमिनल दृष्टि वालों की

D- शिकारियों की

प्रश्न 4- इस देवता धर्म में ताकत बहुत है। यह ताकत कहाँ से मिलती है ?

A- ज्ञान से

B- याद की यात्रा से

C- सर्वशक्तिमान् बाप से।

D- पवित्रता से

प्रश्न 5- हम ब्राह्मण बच्चे हैं ?

A- गुप्त वारियर्स

B- गुप्त महावीर

C- रूहानी सेना

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- घर में रहते हो तो भी पहले यह याद करो -

A- हम शिवबाबा के बच्चे हैं।

B- हम ब्राह्मण है।

C- हम आत्मा हैं, देह नहीं।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- भक्ति मार्ग में शंख व तुतारी आदि बैठ बनाई है क्योंकि ?

A- हम शंख ध्वनि करते हैं इसलिए

B- बाप भी शंख ध्वनि करते रहते हैं।

C- मनोरंजन के लिए

D- ज्ञान ध्वनि करने के लिए

प्रश्न 8- बच्चे कहते हैं बाबा हमारे शहर में चलो तो बाप कहते हैं -

A- जरूर आयेंगे।

B- बच्चों को ही जाकर सबका कल्याण करना है।

C- क्या कांटों के जंगल में बन्दरों को देखने चलूँ।

D- मैं जाकर क्या करूंगा।

प्रश्न 9- कोई कहते हैं 24 घण्टे में आधा घण्टा याद ठहरती है तो कितना परसेन्ट हुआ ?

A- 10%

B- 2%

C- 5%

D- 4%

प्रश्न 10- ब्रह्म ज्ञानी, तत्व ज्ञानी हैं, वह अपने को क्या समझते हैं ?

A- विद्वान

B- अहम् ब्रह्मस्मि

C- शिवोहम

D- संन्यासी

प्रश्न 11- अलग शब्द पहचानिए ?

A- शान्तिधाम

B- सुखधाम

C- स्वर्गधाम।

D- दुःखधाम

प्रश्न 12- जो पढ़ते नहीं वह देवता बन न सकें। वह फिर आयेंगे तब ?

A- त्रेता युग में

B- जब रावणराज्य शुरू होगा

C- साधारण कुल होगा

D- त्रेता की प्रजा में

प्रश्न 13- साइलेन्स का बल क्यों जमा करना है ?

A- पाप भस्म होते हैं इसलिए

B- साइलेन्स दुनिया में जाना है इसलिए

C- बाप से ताकत लेना है इसलिए

D- शान्ति स्थापित होती है इसलिए

प्रश्न 14- नाटक का खेल कहाँ चलता है ?

A- सूक्ष्मवतन,

B- मूलवतन,

C- स्थूल वतन

D- A और C

प्रश्न 15- सहजयोग का आधार है ?

A- संबंध और प्राप्ति

B- ज्ञान और योग

C- धारणा और सेवा

D- योग और सेवा

प्रश्न 16- अलग शब्द पहचानिए ?

A- योगी

B- कामी

C- भोगी

D- रोगी

भाग (47) खण्ड {93} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.यह विचित्र पढ़ाई और विचित्र पढ़ाने वाला है*

तुम्हारे सम्बन्धी यह नहीं जानते कि तुम क्या पढ़ाई पढ़ते हो। उस पढ़ाई में तो मित्र-सम्बन्धी सब जानते हैं, इसमें कोई जानते हैं, कोई नहीं जानते हैं। कोई का बाप जानता है तो भाई-बहन नहीं जानते। कोई की माँ जानती है तो बाप नहीं जानता *क्योंकि यह विचित्र पढ़ाई और विचित्र पढ़ाने वाला है।*

उत्तर 2- *B.हमारे में दैवीगुण हैं ?*

अपनी जांच करनी है - हमारे में दैवीगुण हैं? सहनशील भी बनना होता है। बुद्धियोग की बात है। यह लड़ाई तो बहुत मीठी है। बाप को याद करने में कोई लड़ाई की बात

नहीं है। बाकी हाँ, इसमें माया विघ्न डालती है। उनसे सम्भाल करनी होती है। माया पर विजय तो तुमको ही पानी है।

उत्तर 3- *B.रावण की*

वहाँ क्रिमिनल दृष्टि होती नहीं। रावण ही नहीं। यह कोई नई बात नहीं। तुमने अनेक बार यह पद पाया है। दुनिया को तो बिल्कुल पता नहीं है कि यह क्या पढ़ते हैं। बाप तुम्हारी सब आशायें पूर्ण करने आते हैं। *अशुभ आशायें रावण की होती हैं।* तुम्हारी हैं शुभ आशायें। क्रिमिनल कोई भी आश नहीं होनी चाहिए। बच्चों को सुख की लहरों में लहराना है।

उत्तर 4- *C.सर्वशक्तिमान बाप से*

पावन बनने में देखो ताकत कितनी है। तुम पावन बन पावन दुनिया का राज्य पाते हो इसलिए कहा जाता है इस देवता धर्म में ताकत बहुत है। *यह ताकत कहाँ से मिलती है? सर्वशक्तिमान् बाप से।* घर में तुम मुख्य दो-चार चित्र रख बहुत सर्विस कर सकते हो।

उत्तर 5- *D.उपरोक्त सभी*

तुम्हारी सेना कैसी अच्छी है। *इनको कहा जाता है रूहानी बाप की रूहानी सेना।* रूहानी बाप के साथ योग लगाकर रावण पर जीत पाने का कितना सहज पुरूषार्थ कराते हैं। *तुमको कहा जाता है गुप्त वारियर्स, गुप्त महावीर।* पांच विकारों पर तुम विजय पाते हो, उसमें भी पहले है देह-अभिमान।

उत्तर 6- *C.हम आत्मा हैं,देह नहीं*

तुम अपना राज्य देखो कैसे स्थापन करते हो। कोई भी हाथ पांव इसमें नहीं चलाते हो, इसमें देह का भान तोड़ना है। *घर में रहते हो तो भी पहले यह याद करो - हम आत्मा हैं, देह नहीं।* तुम आत्मायें ही 84 जन्म भोगती हो। अभी तुम्हारा यह अन्तिम जन्म है।

उत्तर 7- *B.बाप भी शंख ध्वनि करते रहते हैं*

योगबल हो तब ही विकर्म विनाश हों। सम्पूर्ण बनें तब तो सम्पूर्ण दुनिया में आ सकें। *बाप भी शंख ध्वनि करते रहते हैं* । उन्होंने फिर भक्ति मार्ग में शंख व तुतारी आदि बैठ बनाई है। बाप तो इस मुख द्वारा समझाते हैं। यह पढ़ाई है राजयोग की। बहुत सहज पढ़ाई है। बाप को याद करो और राजाई को याद करो।

उत्तर 8- *C.क्या कांटों के जंगल में बन्दरों को देखने चलूं*

भगवानुवाच - काम महाशत्रु है। वास्तव में तुम स्वर्गवासी थे तो बड़े धनवान थे। बात मत पूछो।*बच्चे कहते हैं बाबा हमारे शहर में चलो। क्या कांटों के जंगल में बन्दरों को देखने चलूँ!*

उत्तर 9- *B. 2%*

यह भी बाप जानते हैं कोई अपना चार्ट 25 परसेन्ट दिखाते हैं, कोई 100 परसेन्ट दिखाते हैं। *कोई कहते हैं 24 घण्टे में आधा घण्टा याद ठहरती है तो कितना परसेन्ट हुआ?

,मुश्किल से 2%,अपनी बड़ी सम्भाल रखनी है।* धीरे-धीरे महावीर बनना है। फट से नहीं बन सकते हैं, मेहनत है।

उत्तर 10- *B.अहम् ब्रह्मस्मि*

वह जो ब्रह्म ज्ञानी, तत्व ज्ञानी हैं, ऐसे मत समझो वह अपने को कोई आत्मा समझते हैं। वह तो ब्रह्म घर को परमात्मा समझते हैं और *स्वयं को कहते हैं अहम् ब्रह्मस्मि।* अब घर से थोड़ेही योग लगाया जाता है। अभी तुम बच्चे अपने को आत्मा समझते हो।

उत्तर 11- *D.दुःखधाम*

अगर पत्थर ठिक्कर में है फिर नम: काहे की। अर्थ रहित बोलते रहते हैं। यहाँ तो तुमको आवाज़ से परे जाना है अर्थात् निर्वाणधाम, शान्तिधाम में जाना है। शान्तिधाम, सुखधाम कहा जाता है। वह है स्वर्गधाम। *नर्क को धाम नहीं कहेंगे।* अक्षर बड़े सहज हैं।

उत्तर 12- *B.जब रावणराज्य शुरू होगा*

बाप बतलाते हैं त्रेता के अन्त और द्वापर के आदि में रावण आते हैं। उनको 10 शीश क्यों दिये हैं? हर वर्ष क्यों जलाते हैं? यह भी कोई जानते नहीं। अभी तुम मनुष्य से देवता बनने के लिए पढ़ते हो, *जो पढ़ते नहीं वह देवता बन न सकें। वह फिर आयेंगे तब जब रावणराज्य शुरू होगा।* अभी तुम जानते हो हम देवता धर्म के थे अब फिर सैपलिंग लग रहा है।

उत्तर 13- *B.साइलेन्स दुनिया में जाना है इसलिए*

ऐसे मत समझो साइन्स वालों में बहुत ताकत है, वह ताकत नहीं है। यह रूहानी ताकत है। जो सर्वशक्तिमान बाप से योग लगाने से मिलती है। साइंस और साइलेन्स की इस समय जैसे लड़ाई है। साइलेन्स का बल जमा करना है। *साइलेन्स बल से साइलेन्स दुनिया में जाना है।*

उत्तर 14- *C.स्थूल वतन*

मूलवतन, सूक्ष्मवतन, स्थूल वतन - यह है सारी युनिवर्स। *खेल कोई सूक्ष्मवतन वा मूलवतन में नहीं चलता है, नाटक यहाँ ही चलता है।* 84 का चक्र भी यहाँ है। इनको ही कहा जाता है 84 के चक्र का नाटक। यह बना-बनाया खेल है।

उत्तर 15- *A.संबंध और प्राप्ति*

सहजयोग का आधार है - संबंध और प्राप्ति। संबंध के आधार पर प्यार पैदा होता है और जहाँ प्राप्तियां होती हैं वहाँ मन-बुद्धि सहज ही जाता है। तो संबंध में मेरेपन के अधिकार से याद करो, दिल से कहो मेरा बाबा और बाप द्वारा जो शक्तियों का, ज्ञान का, गुणों का, सुख-शान्ति, आंनद, प्रेम का खजाना मिला है उसे स्मृति में इमर्ज करो।

उत्तर 16- *A.योगी*

इस काम विकार ने तुम्हारी ताकत बिल्कुल खत्म कर दी है। नतीजा यह हुआ है आयु कम होती गई है। भोगी बन पड़े हो। *कामी, भोगी, रोगी सब बन जाते हैं।* वहाँ विकार

होता नहीं। तो योगी होते हैं सदैव तन्दुरूस्त और आयु भी 150 वर्ष होती है। वहाँ काल खाता नहीं।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (47) खण्ड - {94}

प्रश्न 1- भक्ति मार्ग की एम ऑबजेक्ट है ?

A- भगवान को ढूंढना

B- ब्रम्ह मे लीन होना

C- एम ऑबजेक्ट होती नहीं

D- भगवान की प्राप्ति

प्रश्न 2- विनाश के समय किस को पता पड़ता है बाप आया हुआ है ?

A- भक्ति मार्ग वालों को

B- सभी को पता

C- शास्त्रों आदि पढने वालों को

D- बाबा के बच्चों को

प्रश्न 3- शिवबाबा का भण्डारा कौन-सा है ?

A- धन का

B- स्वर्ग का

C- अविनाशी ज्ञान रत्नों का

D- सुख का

प्रश्न 4- ब्रह्मा का दिन और रात ही गाई जाती है क्योंकि-

A- ब्रह्मा ही चक्र में आते हैं।

B- ब्रह्मा ही विष्णु बनते हैं।

C- शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा स्थापना करते हैं।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- यह पढ़ाई तो एक ही है, इनको कहा जाता है -

A- ईश्वरीय पढ़ाई

B- राजाई प्राप्त करने की पढ़ाई

C- राजाओं का राजा बनने की पढ़ाई

D- श्रीमत धारण करने वाली पढ़ाई

प्रश्न 6- पुरूषोत्तम संगमयुग है ?

A- उत्तम पुरूष बनने का युग

B- परमात्म मिलन का अनुभव करने का युग

C- रूहानी मजे और मौज का अनुभव कराने का युग

D- मर्यादा पुरुषोत्तम बनने का युग

प्रश्न 7- ज्ञानवान बच्चे किस चिन्तन में सदा रहते हैं ?

A- मैं अविनाशी आत्मा हूँ, यह शरीर विनाशी है।

B- मैंने 84 शरीर धारण किये हैं। अब यह अन्तिम जन्म है।

C- यह आंखें शरीर में हैं लेकिन इनसे देखने वाली मैं आत्मा हूँ।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- पहले आत्मा भी समझते थे परन्तु फिर कोई ने कहा तुम परमात्मा हो। यह किसने बतलाया ?

A- संन्यासियों ने

B- देवताओं ने

C- भक्ति मार्ग के गुरुओं और शास्त्रों ने

D- मनुष्यों ने

प्रश्न 9- सही महावाक्य पहचानिए ?

A- पावन बनने बिगर भगवान से नहीं मिल सकते।

B- पावन होने के लिए भक्ति करते थे।

C- पावन बनने बिगर हम पावन दुनिया में जा नहीं सकेंगे।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- यहाँ तुम बच्चों को कौनसे ख्याल से जरूर बैठना होता है ?

A- मैं आत्मा हूँ

B- परमात्मा हमें पढाते है।

C- यह बाबा भी है, टीचर और सतगुरू भी है।

D- स्वयं को आत्मा समझकर बाप को याद करना है।

प्रश्न 11- बाप भी कलष माताओं पर क्यों रखते हैं ?

A- पुरुष अक्सर करके देवाला मारते हैं, स्त्रियाँ नहीं।

B- वन्दे मातरम् गाया हुआ है ना।

C- ज्ञान मार्ग में मातायें बहुत हैं इसलिए।

D- A और B

प्रश्न 12- सम्बन्ध-सम्पर्क में आये उसे कोई न कोई शक्ति का, ज्ञान का, गुण का दान दो। कर्म करते हम कौनसा दान अर्थात् सहयोग सहज दे सकते हैं ?

A- ज्ञान का

B- शक्ति का

C- गुण का

D- योग का

प्रश्न 13- तुम शरीर छोडेंगे तो बाबा के साथ बेहद घर में जायेंगे। बेहद घर अर्थात् -

A- सुक्ष्मवतन

B- मूलवतन

C- स्वर्ग

D- स्थूल वतन

प्रश्न 14- चण्डाल कहाँ होते हैं ?

A- सतयुग में

B- कलियुग में

C- द्वापर में

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- दान का अर्थ ही है ?

A- जो ओटे सो अर्जुन

B- स्वयं गुणमूर्त बनो

C- सहयोग देना

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- हिस्ट्री- जॉग्राफी कहाँ की है ?

A- स्थूलवतन की

B- मूलवतन की

C- चैतन्य ने राज्य किया उसकी

D- A और C

भाग (47) खण्ड {94} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.एम ऑब्जेक्ट होती नहीं*

अभी तुमको ज्ञान मिला है तब समझते हो भक्ति किसको कहा जाता है, ज्ञान किसको कहा जाता है? ज्ञान देने वाला बाप ज्ञान का सागर अभी मिला है। स्कूल में पढ़ते हैं एम ऑबजेक्ट का मालूम तो पड़ता है ना। *भक्ति मार्ग में तो एम ऑबजेक्ट होती नहीं।* यह थोड़ेही तुमको मालूम था कि हम ऊंच देवी-देवता थे फिर नीचे गिरे हैं।

उत्तर 2- *B.सभी को पता*

बाप ने समझाया है बाप का परिचय तो जरूर सबको मिलना चाहिए। पिछाड़ी में बाप को तो जानेंगे ना। *विनाश के समय सभी को पता पड़ता है बाप आया हुआ है।* अभी

भी कोई-कोई कहते हैं भगवान जरूर कहाँ आया हुआ है परन्तु पता नहीं पड़ता। समझते कोई भी रूप में आ जायेगा।

उत्तर 3- *C.अविनाशी ज्ञान रत्नों का*

तुम कितना धनवान बनते हो। शिवबाबा का भण्डारा भरपूर है। *शिवबाबा का भण्डारा कौन-सा है? (अविनाशी ज्ञान रत्नों का)* शिवबाबा का भण्डारा भरपूर काल कंटक दूर। बाप तुम बच्चों को ज्ञान रत्न देते हैं। खुद है सागर। ज्ञान रत्नों का सागर है। बच्चों की बुद्धि बेहद में जानी चाहिए।

उत्तर 4- *A.ब्रह्मा ही चक्र में आते हैं*

ब्रह्मा का दिन और रात ही गाई जाती है क्योंकि ब्रह्मा ही चक्र में आते हैं। अभी तुम ब्राह्मण हो फिर देवता बनेंगे। मुख्य तो ब्रह्मा हुआ ना। ब्रह्मा को रखें या विष्णु को रखें! ब्रह्मा है रात का और विष्णु है दिन का। वही रात से फिर दिन में आते हैं। दिन से फिर 84 जन्मों के बाद रात में आते हैं।

उत्तर 5- *C.राजाओं का राजा बनने की पढ़ाई*

तुम राजयोगी हो ना। पढ़ने वाले सब योगी ही होते हैं। पढ़ाने वाले टीचर के साथ योग जरूर रखना पड़ता है। एम आब्जेक्ट का भी मालूम रहता है - इस पढ़ाई से हम फलाना बनेंगे। *यह पढ़ाई तो एक ही है, इनको कहा जाता है राजाओं का राजा बनने की पढ़ाई।*

उत्तर 6- *C.रूहानी मजे और मौज का अनुभव कराने का युग*

इस पुरषोत्तम संगमयुग में आप ब्राह्मण सो फरिश्ते देवताओं से भी ऊंचे हो, देवताई जीवन में बाप का ज्ञान इमर्ज नहीं होगा। परमात्म मिलन का अनुभव भी नहीं होगा इसलिए अभी सदा यह नशा रहे कि हम देवताओं से भी ऊंच ब्राह्मण सो फरिश्ता हैं। *यह अविनाशी नशा ही रूहानी मजे और मौज का अनुभव कराने वाला है।*

उत्तर 7- *D.उपरोक्त सभी*

मैं अविनाशी आत्मा हूँ, यह शरीर विनाशी है। मैंने 84 शरीर धारण किये हैं। अब यह अन्तिम जन्म है। आत्मा कभी छोटी-बड़ी नहीं होती है। शरीर ही छोटा बड़ा होता है। यह आंखें शरीर में हैं लेकिन इनसे देखने वाली मैं आत्मा हूँ। बाबा आत्माओं को ही ज्ञान का तीसरा नेत्र देते है। ऐसा चिन्तन ज्ञानवान बच्चे सदा करते हैं।

उत्तर 8- *C.भक्ति मार्ग के गुरूओं और शास्त्रों ने*

आगे तो न आत्मा को जानते थे, न परमात्मा को जानते थे सिर्फ कहने मात्र कहते थे हे परमपिता परमात्मा। *आत्मा भी समझते थे परन्तु फिर कोई ने कहा तुम परमात्मा हो। यह किसने बतलाया? इन भक्ति मार्ग के गुरुओं और शास्त्रों ने। *

उत्तर 9- *C.पावन बनने बिगर हम पावन दुनिया में जा नही सकते*

पतित भी बन गये। ऐसे नहीं कि पावन होने के लिए भक्ति करते थे। *भगवान से पावन बनने बिगर हम पावन

दुनिया में जा नहीं सकेंगे।* ऐसे नहीं कि पावन बनने बिगर भगवान से नहीं मिल सकते। भगवान को तो कहते हैं आकर पावन बनाओ। पतित ही भगवान से मिलते हैं पावन होने के लिए।

उत्तर 10 - *C.यह बाबा भी है, टीचर और सतगुरु भी है*

रूहानी बच्चों को बाप ने समझाया है, *यहाँ तुम बच्चों को इस ख्याल से जरूर बैठना होता है, यह बाबा भी है, टीचर और सतगुरू भी है।* और यह भी महसूस करते हो - बाबा को याद करते-करते पवित्र बन, पवित्रधाम में जाकर पहुँचेंगे।

उत्तर 11 - *D. A और B*

बाबा ने शुरू में कमेटी बनाई थी तो माताओं की बनाई थी क्योंकि कलष तो माताओं को ही मिलता है। *वन्दे मातरम् गाया हुआ है ना। पुरुष अक्सर करके देवाला मारते हैं, स्त्रियाँ नहीं। तो बाप भी कलष माताओं पर रखते हैं।*

उत्तर 12 - *C.गुण का*

आपके पास ज्ञान का भी खजाना है, तो शक्तियों और गुणों का भी खजाना है। तो कोई भी दिन बिना दान दिये खाली न जाए तब कहेंगे महादानी। दान शब्द का रूहानी अर्थ है सहयोग देना। तो अपनी श्रेष्ठ स्थिति के वायुमण्डल द्वारा और अपनी वृत्ति के वायब्रेशन्स अर्थात *श्रेष्ठ गुणों के द्वारा हर आत्मा को सहयोग दो* तब कहेंगे वरदानी।

उत्तर 13 - B मूलवतन

तुम शरीर छोड़ेंगे तो बाबा के साथ बेहद घर में जायेंगे। वहाँ बाबा, मम्मा, बच्चे सब हैं ना। परिवार ऐसा ही होता है। *मूलवतन में बाप और भाई-भाई हैं*, और कोई सम्बन्ध नहीं। यहाँ बाप और भाई-बहन हैं फिर वृद्धि को पाते हैं।

उत्तर 14 - A सतयुग में

बाबा ने बताया है चण्डाल का जन्म भी यहाँ के ही लेते हैं। यहाँ रहकर, खा पीकर कुछ देकर फिर कहते हैं - हमने जो

दिया वह हमको दो। हम नहीं मानते। संशय पड़ जाता है तो वह क्या जाकर बनेंगे। ऐसी चण्डिका का भी मेला लगता है। *फिर भी सतयुगी तो बनते हैं ना। कुछ समय भी मददगार बने तो स्वर्ग में आ गये।*

उत्तर 15- C.सहयोग देना

जैसे ब्रह्मा बाप ने स्वयं को निमित्त एक्जैम्पुल बनाया ऐसे कर्म द्वारा सदा स्वयं जीवन में गुण मूर्त बन, प्रत्यक्ष सैम्पुल बन औरों को *सहज गुण धारण करने का सहयोग दो - इसको कहते हैं गुणदान। दान का अर्थ ही है सहयोग देना।*

उत्तर 16 - D, A और C

इस वर्ल्ड की हिस्ट्री-जॉग्राफी को कोई जानते ही नहीं, *हिस्ट्री चैतन्य की होती है,* तुम्हारी आत्मा जानती है हम कहाँ तक राज्य करते हैं। *चैतन्य ने राज्य किया, जड़ तो राज्य नहीं करेंगे।* बाबा ने समझाया है सूक्ष्मवतन आदि में जो कुछ देखते हो यह तो सब हैं साक्षात्कार की बातें। बाकी *हिस्ट्री-जॉग्राफी सारी यहाँ की है।*